मोबाइल उद्योग 10 साल में 27 गुना बढ़ा

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की औसत 20त्न सालाना वृद्धि

मोबाइल निर्यात में 120 गुना उछाल दर्ज

नयी दिल्ली, 13 अगस्त (वार्ता) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रसारण मंत्रालय के निदेशक निर्मोद कुमार ने बुधवार को कहा कि पिछले 1 साल में देश के मोबाइल फोन उद्योग का आकार 27 गुना हो गया है और आने वाले पाँच-छह साल में यह औसतन 3 से 35 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ेगा.

श्री कुमार ने यहाँ दूरसंचार क्षेत्र की विनिर्माण कंपनी ऑप्टिमस इंफ्राकॉम के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक दशक में देश के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की औसत विकास दर 20 प्रतिशत सालाना रही है. इस दौरान मोबाइल फोन उद्योग में जबरदस्त तेजी दर्ज की गयी और इसका आकार 27 गुना हो गया. वहीं, मोबाइल निर्यात 120 गुना बढ़ा जो यह दिखाता है कि इस क्षेत्र में किस गति से प्रगति हुई है.

उन्होंने कहा कि अगले पाँच-छह साल में मोबाइल उद्योग में 30 से 35 प्रतिशत औसत वार्षिक विकास दर की रफ्तार से बढ़ने की संभावना है.

> कार्यक्रम के दौरान ऑप्टिमस ने देश का पहला एंटी-माइक्रोबियल बीआईएस स्टैंडर्ड राइनोटेक टेंपर्ड ग्लास पेश किया जिसे सितंबर में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में बाजार में उतारा जायेगा. यह शुरुआत में सिर्फ प्रीमियम स्मार्टफोन मॉडल के लिए उपलब्ध होगा.

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि अब तक भारतीय कंपनियों ने अमेरिकी बाजार को ध्यान में रखकर सारी योजनाएँ बनाई, अब इसमें बदलाव लाने और नये सिरे से सोचने की जरूरत है.

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के नए सीईओ बने रवि नारायणन

मुंबई, 13 अगस्त (वार्ता) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एसएफएमजी इंडिया क्रेडिट ने रवि नारायणन को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है. कंपनी ने मंगलवार को बताया कि नारायणन की नियुक्ति 28 अगस्त से प्रभावी होगी. वह एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक में वरिष्ठ पदों पर काम कर चुके हैं. उनके पास रिटेल बैंकिंग और ब्रांच डिस्ट्रीब्यूशन में तीन दशक का अनुभव है. वह एक्सिस सिक्योरिटीज एक्सिस म्यूचुअल फंड के निदेशक मंडल में भी रह चुके हैं. एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के अध्यक्ष राजीव कन्नन ने नारायणन की नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुये उम्मीद जतायी कि उनका अनुभव कंपनी को विकास के अगले युग में ले जायेगा.

भारत व्यापार वार्ता में थोड़ा अड़ियल : अमेरिका

स्विट्ज़रलैंड से बातचीत जारी, भारत पर गतिरोध

ट्रंप ने भारत पर 50त्न शुल्क की घोषणा की

न्यूयॉर्क, 13 अगस्त. अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत, अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में ''थोड़ा अड़ियल'' रहा है.

बेसेंट ने मंगलवार को 'फॉक्स बिजनेस' के साथ बातचीत में अक्टूबर के अंत तक सभी शुल्क और व्यापार समझौतों को पूरा करने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि हम ऐसा चाहते हैं. उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हम अच्छी स्थिति में हैं. बड़े व्यापार समझौते जो नहीं हुए हैं या जिन पर सहमति नहीं बनी हैजस्विट्ज़रलैंड से बातचीत जारी है, भारत थोड़ा

अड़ियल रुख अपना रहा है.''

बेसेंट ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर और वकीलों के दल इस पर काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा, ''इसलिए मुझे लगता है कि हम सभी महत्वपूर्ण देशों के साथ ठोस शर्तों पर सहमत हो गए हैं. जैसा कि मैं लंबे समय से कह रहा हूं, राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) शांति समझौते, व्यापार समझौते व कर समझौते कर रहे हैं.''

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है. ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है जिसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से तेल की खरीद पर लागू होगा और यह 27 अगस्त से प्रभाव में आएगा.

> शुल्क पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत को निशाना बनाना ''अनुचित'' है. मंत्रालय ने कहा, ''किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा.'' प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिका का एक दल 25 अगस्त से भारत आने वाला है. दोनों देशों ने इस साल अक्टूबर-नवंबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य रखा है.

2025-26 में 3 .5 प्रतिशत रह सकती है महंगाई : रिपोर्ट

कोलकाता, 13 अगस्त.रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष 225-26 में कुल मुद्रास्फीति औसतन 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो गत वित्त वर्ष (224-25) में 4.6 प्रतिशत रही थी.

रेटिंग एजेंसी ने अगस्त की अपनी शोध रिपोर्ट में कहा कि अच्छे कृषि उत्पादन से खाद्य मुद्रास्फीति के नियंत्रण में रहने की संभावना है. खरीफ की बुवाई में आठ अगस्त तक सालाना आधार पर चार प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई. क्रिसिल ने अपनी शोध रिपोर्ट में कहा, '' हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में कुल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति औसतन 3.5 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 4.6 प्रतिशत थी.'' रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के नियंत्रण में रहने की उम्मीद करते हुए ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें चालू वित्त वर्ष में 60 से 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक सीमित रहने का अनुमान है जिससे गैर-खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी. रेटिंग एजेंसी को इस वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद है.

गतिशक्ति योजना में सात परियोजनाओं की समीक्षा

नयी दिल्ली, 13 जुलाई (वार्ता) बड़ी अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की तैयारी और कार्यान्वयन के लिए विभागों के बीच पूर्ण तालमेल के साथ काम करने के लिए विकसित प्रधानमंत्री गतिशक्ति के सिद्धांत के तहत अधिकारियों के समूह ने बिहार, छत्तीसगढ़- महाराष्ट्र और तमिलनाडु से जुड़ी तीन रेल-मार्ग परियोजनाओं सहित बुनियादी क्षेत्र की सात परियोजनाओं का आकलन किया है. इनमें सड़क, लॉजिस्टिक्स और वस्त्र क्षेत्र की भी परियोजनाएं शामिल है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि औद्योगिक और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव पंकज कुमार की परियोजना निगरानी समूह ने गतिशक्ति के तहत नेटवर्क योजना समूह ने इन सात परियोजनाओं की समीक्षा की.

भारत का पहला स्टैंडर्ड टेंपर्ड ग्लास लॉन्च

ऑप्टिमस इंफ्राकॉम ने राइनोटेक ब्रांड के तहत पेश किया एंटी माइक्रोबियल ग्लास

नयी दिल्ली, 13 अगस्त (वार्ता) दूरसंचार क्षेत्र की विनिर्माण कंपनी ऑप्टिमस इंफ्राकॉम ने बुधवार को देश का पहला बीआईएस स्टैंडर्ड माइक्रोबियल टेंपर्ड ग्लास पेश किया.

लॉन्च के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में ऑप्टिमस समूह के अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि राइनोटेक के ब्रांड नाम से यह टेंपर्ड ग्लास बाजार में उतारा जायेगा. इसे बीआईएस मानक प्राप्त है. दुनिया में पहली बार कोई टेंपर्ड ग्लास किसी मानक के साथ पेश किया जा रहा है. इस पर कंपनी 365 दिन की अनलिमिटेड गारंटी दे रही है. इस दौरान किसी भी कारण से टूटने पर टेंपर्ड ग्लास बदल दिया जायेगा.

इसे सितंबर 2025 में बाजार में उतारा जायेगा. यह साझेदार खुदरा स्टोरों के साथ राइनोटेक की वेबसाइट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध होगा. कंपनी ने अभी इसकी कीमत का खुलासा नहीं किया है.

राइनोटेक टेंपर्ड ग्लास का विकास कोर्निंग इंडिया ने किया है. यह एंटी माइक्रोबियल ग्लास है.

> कंपनी इस लॉन्च के साथ अगले वित्त वर्ष में 1,800-2000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य लेकर चल रही है. इस टेंपर्ड ग्लास का निर्माण कंपनी के नोएडा संयंत्र में किया जायेगा. कंपनी की योजना इसे घरेलू बाजार में बेचने के साथ निर्यात करने की भी है. पहले इसे प्रीमियम स्मार्टफोन श्रेणी के लिए लॉन्च किया जायेगा. बाद में इसे दूसरी श्रेणियों के लिए भी उपलब्ध कराया जायेगा.

स्पाइसजेट विंटर शिड्यूल से पहले लाएगी 5 नए विमान

पांच बोइंग 737 के लिए डैम्प लीज समझौता हुआ

डैम्प लीज में पायलट-मेंटेनेंस लीज देने वाली कंपनी के

नयी दिल्ली, 13 अगस्त (वार्ता) किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने आगामी विंटर शिड्यूल से पहले अपने बेड़े में पांच और बोइंग 737 विमान डैम्प लीज पर लेने के लिए एक समझौता किया है.

गौरतलब है कि डैम्प लीज समझौते के तहत विमान के साथ चालक दल के सदस्य भी लीज पर विमान देने वाली एयरलाइंस के होते हैं. साथ ही रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी भी उसी की होती है. सिर्फ केबिन क्रू उस एयरलाइंस का होता है जिसने विमान लीज पर लिए हैं.

इससे पहले कंपनी ने जुलाई में बताया था कि पांच विमानों के लिए एक अन्य ऑपरेटर के साथ डैम्प लीज समझौता किया गया. इस प्रकार अब वह कुल 10 बोइंग 737 विमान डैम्प लीज पर लेगी. स्पाइसजेट ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इनमें से ज़्यादातर विमान इस साल अक्टूबर 2025 में बेड़े में शामिल हो जाएंगे. लेकिन कुछ विमान कुछ सप्ताह पहले आने वाले हैं.

ये नये विमान सर्दियों के पीक सीजन और 2026 की शुरुआती गर्मियों के मौसम तक काम आयेंगे. इनके लिए मई 2026 तक तक का समझौता किया गया है. इसके अलावा, एयरलाइंस इस साल सर्दियों से पहले और अधिक विमान लीज पर लेने के लिए भी बातचीत कर रही है.

बढ़ती माँग पूरी करने के लिए पूरी तरह तैयार है

स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, देबोजो महर्षि ने कहा, स्पाइसजेट आगामी सर्दियों और शुरुआती गर्मियों के मौसम में यात्रा की बढ़ती माँग पूरी करने के लिए पूरी तरह तैयार है. इन अतिरिक्त बोइंग 737 विमानों को शामिल करके हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे यात्रियों के पास अधिक विकल्प, बेहतर कनेक्टिविटी और एक विश्वसनीय तथा समय पर यात्रा का अनुभव हो.

भारतीय शेयर बाजारों में लौटी तेजी

निफ्टी-50 फिर 24,600 अंक के पार

सेंसेक्स 304 अंक चढ़कर 80,539 पर

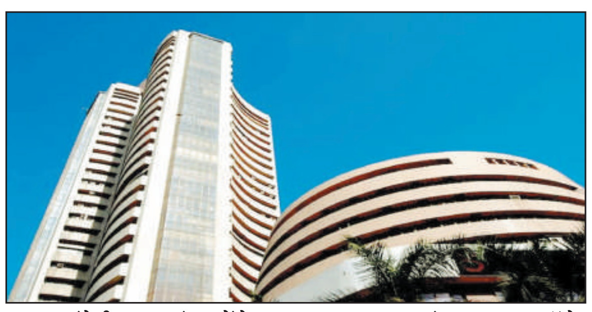

मुंबई, 13 अगस्त (वार्ता) विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-5 एक बार फिर 24,6 अंक के पार बंद हुआ.

बाजार में शुरू से ही लिवाली का जोर रहा. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 304.32 अंक (0.38 प्रतिशत) की तेजी में 80,539.91 अंक पर पहुँच गया. निफ्टी-50 भी मंगलवार की तुलना में 131.95 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,619.35 अंक पर रहा. ऑटो, फार्मा और धातु सेक्टरों में ज्यादा लिवाली हुई. स्वास्थ्य सेवाओं, निजी बैंकों और रियलिटी सेक्टरों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एफएमसीजी सेक्टरों के सूचकांकों में गिरावट देखी गयी.

> सेंसेक्स में बीईएल का शेयर सबसे अधिक 2 .25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इटरनल में 2 .08 फीसदी की तेजी रही. कोटक महिंद्र बैंक का शेयर 1 .56 फीसदी, टाटा मोटर्स का 1 .48 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1 .42 प्रतिशत चढ़ा. पावर ग्रिड, भारती एयरटेल और सनफार्मा में भी एक प्रतिशत से अधिक की तेजी रही. अडानी पोर्ट्स का शेयर सबसे अधिक 0 .78 प्रतिशत गिर गया. आईटीसी में 0 .58 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट में 0 .46 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गयी.

निर्यात कोटा तैयार मिलों को मिले

एआईएसटीए ने मौजूदा प्रणाली को बताया बाधक

नयी दिल्ली, 13 अगस्त. अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने सरकार से बुधवार को अनुरोध किया कि निर्यात कोटा केवल उन्हीं मिलों के लिए हो, जो अपनी सुविधाओं से निर्यात करने को तैयार हैं.

निर्यात कोटा के तहत सरकार यह तय करती है कि एक निश्चित अवधि में कितनी मात्रा में चीनी का निर्यात किया जा सकता है. इसका उद्देश्य घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना और कीमतों को स्थिर रखना है.

संगठन ने कहा कि मौजूदा प्रणाली से निर्यात में बाधा आती है और मिलों का मुनाफा प्रभावित होता है. चीनी व्यापार संघ एआईएसटीए ने कहा कि मौजूदा कोटा प्रणाली जो पिछले उत्पादन के आधार पर सभी मिलों को सीमित निर्यात का आवंटन करती है.

समाचार विशेष

लालू-तेजस्वी की कास्ट पॉलिटिक्स पर भारी पड़े नीतीश

पटना. बिहार के बारे में यह आम धारणा रही है कि जाति के बिना राजनीति की बात सोची भी नहीं जा सकती. आरजेडी की राजनीति का तो आधार ही जाति रही है. इसके लिए आरजेडी ने मुस्लिम-यादव (एमवाय) का जातीय समीकरण 199 के दशक में बनाया और आज भी उसकी यह मानसिकता नहीं बदली है.

तेजस्वी यादव भले सभी जातियों-धर्मों और बाप की बात करते हैं, लेकिन वे भी जानते हैं कि एमवाय के बिना आरजेडी की राजनीति चल ही नहीं सकती. नीतीश कुमार को भी आरंभ में कुर्मी-कोइरी (लव-कुश) जैसा जातीय समीकरण ही आगे बढ़ने का आधार बना, पर नीतीश ने कालांतर में बिहार को इस तरह की राजनीति से मुक्त किया. बीते 20 सालों से उनका यह प्रयास जारी है.

कुर्मी-कोइरी से आगे निकले नीतीश- नीतीश कुमार के बारे में यह कहना बेमानी नहीं कि वे किसी एक जाति के नेता नहीं हैं. अगर ऐसा होता तो इकाई अंक के प्रतिशत तक सिमटी उनकी जाति कुर्मी और इकाई अंक में सिमटा उनका मददगार कोइरी समाज की आबादी सम्मिलित रूप से 10 प्रतिशत से भी कम है, जबकि नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को मिलने वाले वोट करीब 16 से 23 प्रतिशत के बीच रहे हैं. यह सिलसिला फरवरी 2005 में उनके राजनीतिक उदय के वक्त से ही जारी है. नीतीश कुमार ने आहिस्ता-आहिस्ता जाति की राजनीति बदली और अलग-अलग जातियों में अपने पाकेट वोट बैंक तैयार कर लिए.

जेडीयू के वोट 15 से 23 प्रतिशत

जरा, जेडीयू को मिलने वाले वोटों के प्रतिशत पर गौर करें. फरवरी 2005 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू को 14 .55 प्रतिशत वोट मिले थे. अक्टूबर 2005 में यह बढ़ कर 20 .46 प्रतिशत हो गया. 2010 में 22 .58 प्रतिशत, 2015 में 16 .8 और 2020 में 15 .48 प्रतिशत वोट जेडीयू को मिले. जेडीयू के आरंभ में लव-कुश समीकरण के 8 .08 प्रतिशत ही आधार वोट थे. पर, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जेडीयू को न्यूनतम 15 .48 और अधिकतम 22 .58 प्रतिशत वोट बीते 20 साल में मिलते रहे हैं तो निश्चित ही ये वोट दूसरी जातियों के रहे होंगे. नीतीश की अपनी जाति का वोट सिर्फ 2 .87 प्रतिशत ही है. भाजपा के साथ रहना भी उनके वोट बैंक के विस्तार का कारण रहा है.

विपक्षी नेता राहुल की राजनीति से हैरान परेशान

अकेले घेरे रहना चाहते हैं समूचे विपक्ष का स्पेस

नई दिल्ली. कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी से विपक्ष के नेताओं की शिकायत है. यह शिकायत निजी नहीं है, बल्कि राजनीतिक है. कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों के नेता राहुल गांधी की राजनीति देख कर हैरान परेशान हैं. उनको साफ दिख रहा है कि राहुल समूचे विपक्ष का स्पेस अकेले घेरे रहना चाहते हैं.

बाकी सहयोगी पार्टियों को और उनके नेताओं को भीड़ के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है. कांग्रेस और राहुल के इकोसिस्टम की ओर से ऐसा प्रचार किया जा रहा है, जैसे केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ अकेले राहुल गांधी लड़ रहे

हैं. राहुल सारे काम अकेले करते हैं और उसके बाद सोशल मीडिया में वन मैन अपोजिशन का नैरेटिव बनाया जाता है. जैसे उधर से सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन की तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानी उंगली पर गोवर्धन उठा रखा है वैसे ही विपक्ष की ओर से राहुल गांधी ने गोवर्धन उठाया हुआ है. इस नैरेटिव से विपक्ष की कई पार्टियों के बड़े नेता नाराज हैं.

> **अकेले प्रेस कॉन्फ्रेंस पर खुन्नस**
>
> विपक्षी पार्टियों को सबसे 'यादा खुन्नस इस बात की हुई कि राहुल गांधी ने गुरुवार, सात अगस्त को दिन में अकेले प्रेस कॉन्फ्रेंस की और उसी दिन शाम में सभी विपक्षी पार्टियों को अपने घर पर रात्रिभोज का न्योता दिया था तो वहां भी प्रेस कॉन्फ्रेंस वाली पूरी प्रजेंटेशन दिखाई. बाद में अनौपचारिक बातचीत में कई नेताओं ने कहा कि दिन में एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते तो दोबारा वहीं काम करने की जरुरत नहीं पड़ती. 'यादातर विपक्षी नेताओं ने दिन में ही राहुल का प्रजेंटेशन देख लिया था, जो उन्हें रात में दोबारा देखनी पड़ी. बाद में शुक्रवार को संसद में कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी चुनाव आयोग के खिलाफ लड़ाई को अपनी निजी लड़ाई बना रहे हैं.

ओखलकांडा में कैड़ा की पत्नी के बगावती तेवर

नैनीताल. नैनीताल जिले में सोमवार को ब्लॉक प्रमुख पदों के लिए भाजपा प्रत्याशियों के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए. ओखलकांडा ब्लॉक से विधायक राम सिंह कैड़ा की पत्नी पूर्व ब्लॉक प्रमुख कमलेश कैड़ा ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर भाजपा प्रत्याशी केशव दत्त रुवाली के साथ-साथ पार्टी की चिंता बढ़ा दी है.

कमलेश के निर्दलीय नामांकन करने के बाद से ओखलकांडा में ब्लॉक प्रमुख पद का चुनाव रोचक होने के आसार हैं. वहीं भीमताल, रामगढ़, धारी और बेतालघाट में भाजपा से ब्लॉक प्रमुख पद के घोषित प्रत्याशियों की ओर से नामांकन दाखिल किए गए. कांग्रेस ने ब्लॉक प्रमुख पद के लिए अपने प्रत्याशी घोषित ही नहीं किए. वहीं ब्लॉक प्रमुख पद पर निर्दलीय प्रत्याशियों की ओर से नामांकन दाखिल किया गया है. ब्लॉक प्रमुख पद के साथ 'येष्ठ प्रमुख और कनिष्ठ प्रमुख के पदों के लिए भी नामांकन दाखिल किए गए.

विशेष | बेस्ट चुनाव में चल जाएगा पता, महायुति से मुकाबला

उद्धव और राज ठाकरे की दोस्ती में कितना दम?

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति लगातार पूरे देश में चर्चा का विषय बनी रहती है. हाल के दिनों में रा'य में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने और उनके चचेरे भाई एवं शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे के साथ आने की चर्चा जोरों पर हैं. माना जा रहा है कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की पार्टी एक साथ मिलकर आगामी निकाय चुनाव लड़ सकती है.

हालांकि, निकाय चुनाव से पहले ही राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने दि बेस्ट एम्पलॉइज को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी चुनाव के लिए हाथ मिलाया है. इस चुनाव को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की ताकत की पहली परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है जहां उनका मुकाबला भाजपा और शिवसेना से होगा.

चुनाव कब होगा, ये क्यों है खास?- दि बेस्ट एम्पलॉइज को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी के चुनाव में उद्धव-राज ठाकरे बनाम बीजेपी और शिंदे सेना का मुकाबला आगामी 18 अगस्त को होने जा रहा है. जल्द ही आयोजित होने वाले चुनाव को काफी दिलचस्प माना जा रहा है. बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) क्रेडिट सोसायटी चुनाव, बेस्ट उपक्रम के कर्मचारियों की सहकारी ऋण समिति का वार्षिक चुनाव है. आपको बता दें कि इस चुनाव में सिर्फ इस सोसायटी के सदस्य कर्मचारी ही मतदान करते हैं.

बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट क्रेडिट सोसायटी एक सहकारी संस्था है जो कर्मचारियों ऋण, सेविंग्स और अन्य आर्थिक सुविधाएं प्रदान करती हैं. आगामी चुनाव ये तय करेगा कि सोसायटी और इसमें होने वाले वित्तिय फैसलों की कमान किस पैनल के पास होगी.

ठाकरे ब्रदर्स की क्या है तैयारी?- चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने हाथ मिलाया है और 'उत्कर्ष पैनल' का गठन किया है. इस पैनल में 21 सदस्य हैं. इनमें से शिवसेना यूबीटी के 18 सदस्य शामिल हैं और राज ठाकरे की मनसे के दो सदस्य शामिल हैं. इसके अलावा एक सदस्य अनुसूचित जाति-जनजाति संघ से है.

> **महायुति ने क्या तैयारी की?**
>
> उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को चुनौती देने के लिए भाजपा और शिवसेना ने भी पैनल का गठन किया है. इस पैनल में भाजपा के एमएलसी प्रवीण दरेकर, प्रसाद लाड, नितेश राणे और शिंदे सेना के किरण पावस्कर शामिल हैं. प्रवीण दरेकर और प्रसाद लाड की श्रमिक उत्कर्ष सभा, नितेश राणे का समर्थ बेस्ट कामगार संगठन और किरण पावस्कर की राष्ट्रीय कर्मचारी सेना शामिल हैं. ये सभी मिलकर ठाकरे ब्रदर्स को चुनौती देंगे.